न्यायालय
सहायक कलक्टर / उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी—बाड़मेर

(पीठासीन अधिकारी —केशव कुमार मीना आर.ए.एस.)

प्रार्थना पत्र सं.:—2024 / 41 दर्ज तिथिः—10.01.2024

1. उमा पुत्र हीरा
2. किस्तुरा पुत्र हीरा
3. चम्पा पुत्र हीरा
4. जेठा पुत्र हीरा
5. भूरा पुत्र हीरा
6. हेमी पत्नी हीरा

जाति जाट निवासी खडियाली नाडी, तहसील नोखड़ा जिला बाडमेर।

...........प्रार्थी

बनाम

1. किस्तुराराम पुत्र पूनमाराम
2. पूनमाराम लिछमणाराम
3. मदाराम पुत्र पूनमाराम
4. हुकमाराम पुत्र पूनमाराम
5. अणसीदेवी पत्नी जोगाराम
6. खेताराम पुत्र पदमाराम
7. खेमाराम पुत्र डालूराम
8. चिमाराम पुत्र जोगाराम
9. जेठाराम पुत्र पूनमाराम
10. तिलोकाराम पुत्र पदमाराम
11. नारणाराम पुत्र जोगाराम
12. पन्नीदेवी पत्नी पूनमाराम
13. बाबू पुत्र पदमाराम
14. भूराराम पुत्र पदमाराम
15. मगाराम पुत्र जोगाराम
16. माडू पत्नी पदमाराम
17. मोटाराम पुत्र पूनमाराम
18. रूपाराम पुत्र डालूराम
19. उमाराम पुत्र चौखाराम
20. केशाराम पुत्र चौखाराम
21. खेतू पुत्री चौखाराम
22. तिलोकाराम पुत्र चौखाराम
23. धर्माराम पुत्र चौखाराम

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.11.22 16:10:11 IST
Reason: SelfAttested

24. राजोदवी पुत्री चौखाराम
25. हीरोदवी पुत्री चौखाराम
26. देवाराम पुत्र मोडाराम
27. हनुमानराम पुत्र मोडाराम
28. हरचन्दराम पुत्र लिछमणाराम फौत के कायम मुकाम
    28/1 किशनाराम पुत्र हरचन्दराम
    28/2 गुमनाराम पुत्र हरचन्दराम जाति जाट निवासी खडियालीनाडी तहसील नोखड़ा
29. गोपीलाल पुत्र नवलाराम
30. नैनू पत्नी साजनराम
31. बूधराम पुत्र लाखाराम
32. माडू पत्नी नवलाराम
33. रामकेन पुत्र लाखाराम
34. श्रवण पुत्र साजनराम
    जाति विश्नोई निवासी खडाली तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर
35. ग्राम पंचायत बाण्ड जरिये सरपंच
36. तहसीलदार नोखड़ा
37. खेता पुत्र पदमा जाति
38. मगा पुत्र पदमा
    जाट निवासी बाण्ड तहसील नोखड़ा जिला बाड़मेर।

.................असल अप्रार्थी

उपस्थित अधिवक्ता
प्रार्थीः—श्री रोशनलाल
अप्रार्थीगणः—श्री चिमनसिंह चौधरी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128
राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956

—:निर्णयः—

निर्णय तिथिः—19.09.2024

1. आज यह पत्रावली प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—128 राजस्थान भू—राजस्व अधि—1956 वास्ते निर्णय हेतु पेश हुई। प्रकरण का सुक्ष्म वृतान्त इस प्रकार से है कि प्रार्थीगण द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की हाल आराजी खसरा संख्या 502/1.8373 है0 वाके ग्राम खडियाली नाडी एवं खसरा संख्या 444/2/1.1979 है0 वाके ग्राम बाण्ड तहसील नोखड़ा में स्थित है। उक्त वर्णित आराजी प्रार्थीगण की कब्जेकाश्त खातेदारी की आराजी है एवं आराजी पर प्रार्थीगण काबिज रहकर बिना किसी बाधा वो रूकावट के काश्त करते चले आ रहे है। उक्त खातेदारी आराजी से अप्रार्थीगण का कोई हक संबंध किसी प्रकार का नहीं है। अप्रार्थीगण प्रार्थीगण की आराजी के कार्यकाश्त में बाधा डालते हैं। उक्त आराजी का मौके पर सीमांकन नहीं होने से प्रार्थीगण द्वारा सीमांकन कराए जाने बाबत तहसीलदार नोखड़ा के यहां प्रार्थना—पत्र पेश किया। जिस पर तहसीलदार नोखड़ा के आदेश दिनांक 12.06.2023 की पालना में दिनांक 16.06.2023 को खसरा संख्या 502 एवं दिनांक 27.06.2023

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.11.22 16:10:11 IST
Reason: SelfAttested

को खसरा संख्या 442/2 का पटवारी हल्का द्वारा उक्त आराजी का सीमांकन करवाया गया। परन्तु अप्रार्थीगण मौके पर असंतुष्ट होकर पैमाईश को नहीं मान रहे है तथा प्रार्थीगण की आराजी को अपनी आराजी में मिलाना चाहते है। अब प्रार्थीगण अपनी खातेदारी आराजी की पत्थरगढ़ी दिनांक 16.06.2023 एवं 27.06.2024 की सीमाज्ञान रिपोर्ट के अनुसार कराना चाहते है। अंत में प्रार्थना–पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी उक्त की पत्थरगढ़ी मुताबिक पैमाइश के अनुसार कराए जाने के आदेश जारी करने का निवेदन किया गया।

2. प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया एवं अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। असल अप्रार्थीगण संख्या 01–04 के अतिरिक्त समस्त असल अप्रार्थीगण विधिवत तामील अनुपस्थित होने के कारण अप्रार्थीगण के विरूद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई गयी। असल अप्रार्थीगण संख्या 01–04 असालतन–वकालतन हाजिर न्यायालय हुए। प्रकरण में तहसीलदार नोखड़ा को पत्र द्वारा बिन्दुवार विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट निर्धारित चैकलिस्ट में तैयार करने हेतु लिखा गया। जिसकी पालना में पटवारी हल्का ने दिनांक 10.09.2024 को मौके पर जाकर निर्धारित चैकलिस्ट में बिन्दुवार विस्तृत तथ्यात्मक तैयार कर न्यायालय हाजा में प्रस्तुत की।

3. न्यायालय द्वारा विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी की बहस सुनी गई। दौराने बहस प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा प्रार्थना–पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराते हुए प्रार्थना–पत्र प्रार्थीगण स्वीकार कर आराजी की मुताबिक पैमाइश दिनांक 16.06.2023 एवं 27.06.2024 के अनुसार पत्थरगढ़ी के आदेश जारी करने का निवेदन किया है। दौराने बहस अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा अप्रार्थीगण की आराजी को छोड़ते हुए नेखमबंदी करने पर सहमति जाहिर की।

4. मैंने बहस प्रार्थी अधिवक्ता पर मनन किया। प्रकरण में सर्वप्रथम राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम–1956 की धारा–111 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः–

> ***111. Decision of disputes as to boundaries.—****(1) In case of any dispute concerning any boundaries the Land Records Officer shall decide such dispute, so far as possible, on the basis of the existing survey maps and, where this is not possible or such maps are not available, on the basis of actual possession.*
>
> *(2) If, in the course of an inquiry into a dispute under this section the Land Records Officer is unable to satisfy himself as to which party is in the possession or it if is shown that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of three months previous to the commencement of the inquiry, the Land Records Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.*

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.11.22 16:10:11 IST
Reason: SelfAttested

5. राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—111 के अनुसार खसरों की सीमाओं के विवाद को हाल राजस्व नक्शे के अनुसार तथा हाल राजस्व नक्शे के उपलब्ध न होने पर वास्तविक कब्जे के आधार पर निस्तारित किये जाने के प्रावधान बनाये गये है। खसरों की सीमाओं के विवाद को निस्तारित करने की प्रक्रिया के सम्बन्ध में राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 के तहत प्रावधान बनाये गये है। अतः प्रकरण में साथ ही राजस्थान भू—राजस्व अधिनियम—1956 की धारा—128 का उद्धरण यहां प्रासंगिक है। जो कि इस प्रकार हैः—

> ***128. Boundary disputes. -*** *All disputes concerning boundaries shall be decided by the Land Record Officer in the manner laid down in section 111:*
>
> *Provided that applications in relation to boundaries of fields may be made to and disposed of by the Tehsildar in cases where there exists no dispute as to such boundaries but on account of the absence of proper boundary marks there is the likelihood of such a dispute arising.*

6. उक्त विधिक प्रावधानों के संदर्भ में पत्रावली पर संलग्न दस्तावेजात् जमाबंदी में राजस्व इन्द्राज एवं तहसीलदार नोखड़ा द्वारा किये गये सीमांकन रिपोर्ट का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया। बाद अवलोकन पाया गया कि पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रिकॉर्ड के अंकित इन्द्राज के अनुसार उक्त आराजी प्रार्थीगण की सालिम खातेदारी की आराजी होना साबित है। साथ ही संलग्न रिपोर्ट पैमाइश दिनांक 16.06.2023 एवं 27.06.2024 से भी यह तथ्य प्रार्थीगण साबित है कि प्रार्थीगण द्वारा तहसीलदार नोखड़ा के माध्यम से हल्का पटवारी से युक्त वर्णित आराजी की पैमाइश कराई जा चुकी है। सीमाज्ञान रिपोर्ट में पटवारी हल्का द्वारा मौके पर मुस्तकिल बिन्दु मानकर सीमाज्ञान किया। मौके पर प्रार्थीगण को सीमाचिह्न बताकर प्रार्थीगण को संतुष्ट किया गया है। तहसीलदार रिपोर्ट के अनुसार उक्त वर्णित आराजी की खसरे की सीमाओं को लेकर अप्रार्थीगण के साथ सीमा विवाद है। इस प्रकार प्रार्थीगण की अपनी कब्जेशुदा खातेदारी आराजी की सुरक्षा तथा सीमा विवाद के निस्तारण हेतु पत्थरगढ़ी के प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर आदेश जारी किया जाना उचित प्रतीत होता है। अतः

आदेश है कि

प्रार्थना—पत्र प्रार्थीगण अंतर्गत धारा—128 भू—राजस्व अधिनियम—1956 के बाबत् पत्थरगढ़ी किये जाने का स्वीकार किया जाता है। हाल आराजी खसरा संख्या 502/1.8373 है0 वाके ग्राम खडियाली नाडी एवं खसरा संख्या 444/2/1.1979 है0 वाके ग्राम बाण्ड तहसील नोखड़ा पर प्रार्थीगण एवं संबंधित पक्षकारों/हितधारकों की पूर्व सूचित उपस्थिति में खातेदारी आराजी पर मुताबिक सीमाज्ञान पत्थरगढ़ी कर सीमा निर्धारण किये जाने के आदेश तहसीलदार नोखड़ा

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.11.22 16:10:11 IST
Reason: SelfAttested

को दिये जाते हैं एवं साथ ही निर्देश दिये जाते हैं कि अप्रार्थीगण को मौके पर उपस्थित रहने बाबत जरिये नोटिस पूर्वसूचित करते हुए पत्थरगढ़ी की जाकर पालना रिपोर्ट न्यायालय को अवगत करायें। पक्षकार अपना–अपना खर्चा स्वयं वहन करेंगे।

आदेश प्रति पालनार्थ हेतु तहसीलदार नोखड़ा को भिजवाई जावें। अहकाम पृथक से जारी किया जावे।

यह आदेश मेरे द्वारा आज दिनांक 19.09.2024 को लिखवाया जाकर सरे–इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर व मोहर युक्त जारी किया गया।

(केशव कुमार मीनाआर.ए.एस.)
उपखण्ड अधिकारी
गुढामालानी (बाड़मेर)

Signature Not Verified

Digitally signed by Keshav Kumar Meena
Date: 2024.11.22 16:10:11 IST
Reason: SelfAttested

न्यायालय सहायक कलक्टर/उपखंड अधिकारी
सत्यमेव जयते
गुढ़ामालानी